योजना देश में दृष्टिहीनों के लिए मात्र एक प्रतिशत पुस्तकें उपलब्ध

नेत्रहीनों के लिए शुरू सुलभ डिजिटल लाइब्रेरी परियोजना

नेशनल दुनिया

नई दिल्ली। नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड संस्थान दृष्टिहीन छात्रों के लिए भारत की सबसे बड़ी सुलभ डिजिटल लाइब्रेरी बनाने की एक एक परियोजना शुरू करने जा रहा है। 'योर वॉयस देयर वर्ल्ड' नाम की यह परियोजना जापान की कंपनी ओमरॉन की मदद से यहां शुरू की जा रही है।

इस परियोजना के तहत सरल पाठ्य सामग्री, इंफ्रास्ट्रक्चर लेकर आ रही है जिसका प्रयोग कर अधिक से अधिक छात्र उन्नत शिक्षा हासिल कर सकें। इस परियोजना का लाभ न सिर्फ एनएबी दिल्ली के 250 छात्र उठाएंगे बल्कि एनएबी दिल्ली लाइब्रेरी के 2000 व्यक्तिगत सदस्यों और पूरे भारत में 10,000 नेत्रहीन स्कूल, कॉलेज, नौकरी के इच्छुकों, नौकरीशुदा सदस्यों को भी मिलेगा। परियोजना के पहले चरण में दिसम्बर 2014 तक 2000 घंटों की रिकॉर्डिंग की जाएगी। यह पुस्तकें डिजिटल एक्सेस इंफॉर्मेशन सिस्टम प्रारूप में बनाई जाएगी। एनएबी दिल्ली के संयुक्त सचिव प्रशांत वर्मा ने कहा कि हम अधिक से अधिक पुस्तकें बनाकर और बड़ी संख्या में नेत्रहीन छात्रों की शिक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल किताबें

सामान्य स्कूलों में नेत्रहीन छात्रों की मदद करने में और उन्हें मुख्यधारा में स्थान दिलाने में सहायक होंगी। इस परियोजना के तहत मिलने वाली किताबों का प्रारूप ई-बुक्स रीडर्स, कंप्यूटरों व मोबाइल फोनों के भी अनुकूल रहेगा। बता दें कि डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में 285 मिलियन दृष्टिहीन हैं, जबकि भारत में इनकी आबादी 15 मिलियन है जो दुनियाभर में सबसे ज्यादा है। जबकि भारत में ब्लाइंड छात्रों के लिए सुलभ प्रारूप के लिए केवल एक प्रतिशत पुस्तकें उपलब्ध हैं।

दरअसल सुलभ सामग्री न होने को कारण विज्ञान, गणित व पेशेवर पाठ्यक्रमों का विकल्प चुनने वाले छात्रों की संख्या कम है। इसलिए नियमित पाठ्यक्रम पर ध्यान देने के साथ यह प्रोजेक्ट दृष्टिहीन छात्रों के लिए नए अवसर प्रदान करते हुए विज्ञान पुस्तकों व प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए पुस्तकें बनाने के लिए विशेष प्रयास भी करेगा। परियोजना का उद्घाटन बॉलीवुड कलाकर फरहान अख्तर ने किया। इस अवसर पर ओमरॉन मैनेजमेंट सेंटर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ताकुइची शिमिजू भी उपस्थित थे।